वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 127 | शनिवार 31 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान की बेटियों ने भारत को दिलाए गोल्ड-ब्रॉन्ज मेडल

अवनी ने स्वर्ण, मोना ने कांस्य जीता; लेखरा पैरालिंपिक में 3 पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला

जयपुर. कासं

पेरिस पैरालिंपिक में शुक्रवार को राजस्थान की बेटियों ने इतिहास रच दिया। जयपुर की अवनी लेखरा और मोना अग्रवाल ने शूटिंग के एक ही कॉम्पिटिशन में भारत को दो मेडल दिलाए। अवनी लेखरा ने स्वर्ण पदक जीता, वहीं मोना अग्रवाल ने ब्रॉन्ज मेडल भारत की झोली में डाला। अवनी लेखरा का पैरालिंपिक में यह दूसरा गोल्ड मेडल है। इससे पहले वे टोक्यो पैरालिंपिक में भी गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। इसके साथ ही वे पैरालिंपिक में तीन मेडल जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। आर-2 महिला 10 एम एयर राइफल एसएच-1 के फाइनल राउंड में अवनी पहले और मोना तीसरे नंबर पर रहीं। गोल्ड पर निशाना साधने वाली अवनी ने अपना ही पैरालिंपिक रिकॉर्ड भी तोड़ा। टोक्यो पैरालिंपिक में उन्होंने 249.6 पॉइंट हासिल कर पैरालिंपिक रिकॉर्ड बनाया था। इस बार 249.7 पॉइंट हासिल कर नया रिकॉर्ड बनाया। कोरिया की युनरी ली को सिल्वर मिला, उनका स्कोर 246.8 रहा। मोना अग्रवाल ने 228.7 के स्कोर कर मेडल जीता। क्वालिफिकेशन राउंड में अवनी लेखरा दूसरे और मोना अग्रवाल पांचवें नंबर पर रही थीं। फाइनल में 2 राउंड की शूटिंग बाकी थी, तब मोना 208.1 स्कोर के साथ टॉप पर थीं। अवनी दूसरे और कोरियन शूटर तीसरे नंबर पर थीं। सेकेंड लास्ट राउंड में कोरियन शूटर ने पहला स्थान हासिल कर लिया और अवनी दूसरे पर पहुंचीं। जबकि मोना तीसरे नंबर पर रहकर गोल्ड मेडल की रेस से बाहर हो गईं। आखिरी राउंड में अवनी ने पैरालिंपिक रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड जीत लिया। जबकि कोरियन शूटर दूसरे नंबर पर रहीं।

जयपुर में हवा के साथ तेज बारिश

दो दिन बाद 15 जिलों में बरसात का अलर्ट; अब तक 51 फीसदी ज्यादा पानी बरसा

जयपुर. कासं। जयपुर में शुक्रवार रात को तेज हवा के साथ बारिश हुई। रात करीब साढ़े 9 बजे अचानक मौसम में बदलाव आया। इससे पहले मौसम विभाग ने राजस्थान में शनिवार और रविवार को बारिश होने की संभावना काफी कम है। अब सितंबर में अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम केन्द्र जयपुर ने 1 सितंबर को 15 जिलों में मध्यम से तेज बारिश की संभावना जताई है। वहीं, 2 सितंबर को 2 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में मानसून के इस सीजन में अब तक (1 जून से 29 अगस्त तक) 552.2एमएम बरसात हो चुकी है, जबकि औसत बारिश इस समय तक 364.5एमएम होती है। इस बार सबसे ज्यादा बारिश दौसा जिले में 1148.8एमएम हुई है। दौसा के बाद दूसरा नंबर सवाई माधोपुर जिले का है, जहां 1043.9एमएम बरसात हुई है। सिरोही, झालावाड़ और डूंगरपुर जिले ऐसे हैं जहां अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है। वहीं, शेष सभी जिलों में सामान्य से ज्यादा बरसात हो चुकी है।

दो से ज्यादा बच्चों वाले कर्मचारियों के प्रमोशन पर रोक

बैक डेट से पदोन्नति देने पर हाईकोर्ट का आदेश, हजारों कर्मचारी होंगे प्रभावित

जयपुर. कासं

2 से ज्यादा बच्चों वाले राज्य कर्मचारियों को प्रमोशन देने पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगाई है, जिसमें सरकार इन कर्मचारियों को बैक डेट से प्रमोशन दे रही थी। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश संतोष कुमार और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। इस आदेश से हजारों कर्मचारी प्रभावित होंगे। याचिकाओं में कहा गया था कि सरकार 16 मार्च 2023 की अधिसूचना से उन कर्मचारियों को बैक डेट से पदोन्नति दे रही है, जिनके दो से ज्यादा बच्चे होने के कारण 5 साल या 3 साल के लिए प्रमोशन रोके गए थे। इन कर्मचारियों को बैक डेट से प्रमोशन देने पर हमारी वरिष्ठता सूची में बदलाव आ गया है, हम वरिष्ठता सूची में नीचे चले गए हैं, जिससे हमारी पदोन्नति प्रभावित हो रही है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद राज्य सरकार की अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी।

रिव्यू डीपीसी करके दिया जा रहा था प्रमोशन: याचिकाकर्ताओं के वकील शोभित तिवाड़ी ने बताया- साल 2001 में राज्य सरकार ने नोटिफिकेशन जारी करके 1 जून 2002 के बाद तीसरा बच्चा पैदा होने पर सरकारी कर्मचारी को 5 साल के लिए प्रमोशन से वंचित करने का नियम लागू किया था। साल 2017 में सरकार ने 5 साल की अवधि को घटाकर 3 साल कर दिया था, लेकिन पिछले साल कार्मिक विभाग ने 16 मार्च 2023 को अधिसूचना जारी करके कहा कि ऐसे सभी कर्मचारी जिनकी पदोन्नति दंड स्वरूप रोकी गई थी। उन्हें उनके पदोन्नति वर्ष से ही प्रमोशन का लाभ दिया जाए। ऐसे में राज्य सरकार के करीब 125 विभागों में रिव्यू डीपीसी के माध्यम से ऐसे सभी कर्मचारियों को उनकी प्रारंभिक पदोन्नति की तिथि से प्रमोशन का लाभ दिया जा रहा था। इसे बारां और झालावाड़ के पुलिसकर्मियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

जो पूर्व में अयोग्य घोषित, उसे योग्य नहीं माना जा सकता

याचिकाओं में कहा गया था कि सरकार ने पहले अधिसूचना जारी करके उन कर्मचारियों को अयोग्य घोषित करके प्रमोशन से वंचित किया था, जिनके दो से ज्यादा बच्चे हैं। ऐसे में अब उन्हीं कर्मचारियों को फिर से प्रमोशन के लिए योग्य नहीं माना जा सकता है। वहीं बैक डेट से प्रमोशन देना भी कानून सम्मत नहीं हैं। कोर्ट ने याचिकाओं पर सुनवाई के बाद सरकार के नोटिफिकेशन पर रोक लगाते हुए जवाब मांगा है।

गणिनी आर्यिका गौरवमती माताजी का समाधि दिवस आज

चुलगिरी स्थित समाधि स्थल पर चढ़ाएंगे पुष्पचक्र, देंगे विन्यांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन धर्म की विख्यात गणिनी प्रमुख आर्यिका 105 सुपार्श्वमती माताजी की शिष्या, मध्यलोक सृजनिका, शिष्योत्तमा श्रमणी, डॉ. पूज्य गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी का समाधि दिवस शनिवार को सुबह 9.15 बजे से आगरा रोड़ स्थित अतिशय क्षेत्र चुलगिरि में स्थित माताजी के समाधि स्थल पर श्रद्धा-भक्ति पूर्वक मनाया जायेगा। इस दौरान श्रद्धालुगण और गुरु मां सुपार्श्व - गौरव भक्त मंडल के सभी सदस्य एकत्रित होंगे, इस अवसर समाधि स्थल पर जलाभिषेक किया जायेगा, इसके पश्चात अष्ट द्रव्यों के साथ गुरु पूजन कर पुष्पचक्र चढ़ाया जायेगा। फिर विन्यांजली स्वरूप श्रद्धांजलि दी जायेगी और अंत में आरती की जाएगी। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया की गणिनी आर्यिका गौरवमती माताजी की समाधि भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी के दिन रात्रि 11.22 बजे भट्टारक जी की नसियां में विराजमान आचार्य सुनील सागर महाराज सहित 60 से अधिक दिगंबर जैन संतों और साध्वियों के सानिध्य में हुई थी, उस दिन 25 अगस्त 2022 का दिन था, किंतु जैन धर्म में तिथियों का महत्वपूर्ण स्थान होता है इसलिए जैन धर्म के सभी पर्व तिथियों पर ही मनाए जाते है, इसलिए इस बार भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी शनिवार, 31 अगस्त 2024 को आ रही है इसी दिन पूज्य गौरवमती माताजी का समाधि दिवस मनाया जायेगा। शनिवार को माताजी की द्वितीय पुण्य तिथि है इस दौरान प्रभात सिंघई, राजेंद्र बड़जात्या, अजीत पाटनी, प्रवीण बड़जात्या, राजेश सेठी, मनोज जैन, अमित जैन, मनोज गोधा, संजय कासलीवाल, आशीष गोधा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल होंगे।

रक्तदान महाशिविर को बनाना होगा सफल

अब नहीं होगा मानव रक्त का किसी जरूरतमंद को अभाव, अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद करेगी सेवार्थ भाव से मानव रक्त की पूर्ति

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पिंजरापोल गौशाला स्थित जैविक वन औषधीय पार्क में राजस्थान राज्य में मानव रक्त की भारी कमी के देखते हुए आगामी 01 सितम्बर 2024 दिन रविवार को रक्तदान महाशिविर का आयोजित करने के सन्दर्भ में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद् के अंतर्राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता ने उपस्थित जन मानस को बताया कि गौऋषि स्वामी प्रकाश दास महाराज के सानिध्य में आयोजित होने वाले इस महाशिविर से 500 से 1000 यूनिट रक्त एकत्र किया जाएगा जिससे कि जरूरतमंद व्यक्तियों को वक्त रहते मानव रक्त की पूर्ति हो सके व उनकी जिंदगी बचायी जा सके ' इस हेतु उनके आव्हान पर विभिन्न टोलियों के माध्यम से शैक्षणिक संस्थाओं, छात्रावासों व समाज के विभिन्न वर्गों से सघन अभियान के द्वारा उक्त रक्त दान शिविर के बारे में जागरूकता फैलाने व अधिकाधिक संख्या में उच्च गुणवत्ता के रक्तदान को सफल बनाने में सहयोग करेंगे।

दीक्षार्थी बहनों की भव्य विनोली एवं गोद भराई

इंदौर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रसंत,तीर्थरक्षक शिरोमणि, वात्सल्य सरोवर आचार्य श्री 108 विहर्ष सागर महाराज की शिष्या बा.ब्रा.नीतू दी,बा.ब्रा. प्रियंका दी आदि 11 दीक्षाये 12 अक्टूबर 2024 शनिवार को सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर आर्यिका दीक्षा होने जा रही है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस हेतु इंदौर में पंच लश्करी गोठ रामाशाह मंदिर एवं मोदी जी की नसियां,विहर्ष भक्त मंडल के नेतृत्व में विनोली व गोद भराई का कार्यक्रम आयोजित किया गया है । दिनांक 02/09/24 सोमवार को शाम 6/30 बजे मोदी जी की नसियां बड़े गणपति से प्रारंभ होकर मल्हारगंज सीतलामाता बाजार इतवारिया बाजार होते हुए रामाशाह मंदिर पर सेकंडों समाज जन की उपस्थिति में गोद भराई का कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

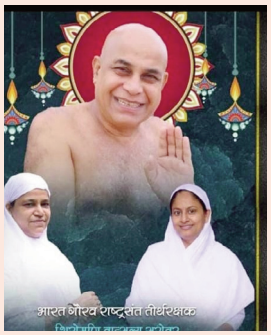

महावीर स्कूल द बेस्ट स्कूल इन नॉर्थ इंडिया अवार्ड के लिए चयनित

जयपुर. शाबाश इंडिया। एजुकेशन टुडे की ओर से नॉर्थ इंडिया स्कूल्स रेटिंग एंड रैंकिंग के अंतर्गत बेस्ट स्कूल्स इन नॉर्थ इंडिया अवार्ड, रिवार्डिंग एक्सीलेंस इन एजुकेशन 2024-25 की श्रृंखला में महावीर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर को ''बेस्ट करिकुलम डिजाइन एडैप्टेशन अवार्ड'' के लिए चुना गया है। महावीर स्कूल को यह अवार्ड एकेडमिक्स एंड पेडॉगॉजी, टीचर्स को- करिकुलर एजुकेशन, स्पोर्ट्स एजुकेशन, कम्युनिटी सर्विस, करियर काउंसलिंग एंड एडवांसमेंट, साइकोलॉजिकल वेल बिंग ऑफ स्टूडेंटस, फ्यूचर प्रूफ लर्निंग इंफ्रास्ट्रक्चर, एकेडमिक रेपुटेशन, एक्सीलेंस इन एजुकेशन आदि विषयों के आधार पर यह अवार्ड आज 30 अगस्त को गुड़गांव में दिया गया।

अपनी शक्ति के अनुसार पदार्थों का त्याग करना शक्तितस्त्याग भावना कहलाती है : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने शुक्रवार दिनांक 30 अगस्त को षोडश कारण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि, अपनी शक्ति के अनुसार पदार्थों का त्याग करना शक्तितस्त्याग भावना कहलाती है। मान सम्मान और प्रशंसा की इच्छा के बिना, निर्मल परिणामों से त्याग करना ही फलदायक है। मोक्ष मार्ग पर चलने के लिए खुशी-खुशी घर परिवार छोड़कर संत चरणों में चले जाना, संक्लेश परिणाम को छोड़ना, घर परिवार, धन दौलत को तृणवत समझ कर वैराग्य की ओर बढ़ना, यही त्याग मोक्ष मार्ग में श्रेयस्कर है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रवचन से पूर्व दीप प्रज्वलन कैलाश चन्द सौगानी एवं सहयोगियों ने, मंगलाचरण श्रीमती मुन्ना देवी सौगानी ने एवं शास्त्र भेंट श्रीमती प्रेमलता पहाड़िया एवं श्रीमती सुशीला जैन ने किया। संयोजक कमल छाबड़ा डॉ वन्दना जैन ने बताया कि षोडश कारण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे मुनिश्री के प्रवचन सायंकाल 7 बजे आरती आनंद यात्रा तथा रात्रि 8:00 बजे से पंडित अजित जैन 'आचार्य' के द्वारा तत्व चर्चा की जा रही है।

जैन प्रतिभा सम्मान समारोह 21 सितंबर को

जयपुर। जैन सोश्यल ग्रुप महानगर द्वारा जैन प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 दिनांक 21 सितम्बर 2024 को इन्द्रलोक सभागार भवन, भटटारक जी की नसिया, जयपुर में शाम 6.00 बजे से को आयोजन कर रहा है।इस प्रतिभा सम्मान समारोह में जैन समाज के प्रतिभाशाली लोगों से कार्यक्रम में भाग ले रहे सदस्यों के बीच Interactive Session भी रखा जायेगा। जिसमें निम्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया जायेगाः 10th and 12 CBSE/Rajasthan board Exam 2024 में 95.00% से अधिक नम्बर प्राप्त किये हो। स्नातक एवं स्नाकोत्तर परीक्षा 2024 में कॉलेज या विश्विद्यालय टॉप किया हो। आईआईटी, आईआईएम, एनएलयू, मेडिकल कॉलेज में 2024 मे एडमिशन हुआ हो। आरपीएससी, यूपीएससी सेवा , न्यायिक सेवा, राजपत्रित अधिकारी सेवा 2023-24 में चयनित हुआ हो। सीए, सीएस,सीएमए में 2024 में परीक्षा उत्तीर्ण की हो। पीएचडी उपाधि 2024 में प्राप्त की हो।खेल में 2024 में राज्य को प्रतिनिधित्व किया हो। अन्य विशेष योग्यता, जिसे कार्यक्रम सयोजक उचित महसूस करे। कृप्या ध्यान दें: इन सभी के लिए योग्यता तिथि 31 अगस्त 2024 तक प्राप्त योग्यता पर रखी गई हैं। आवेदक का जैन होना आवश्यक रहेगा। प्रतिभा सम्मान समारोह में भाग लेने के लिए आवेदक को अपना विवरण : नाम, माता - पिता का नाम, पूरा पता , मोबाईल न. ईमेल आईडी एवं सम्मान श्रेणी का विवरण ईमेल jsgmsocial2024@gmail.com पर देते हुएयोग्यता प्रति, पासपोर्ट साईज फोटो, एवं आधार कार्ड की प्रति लगाते हुए आवेदन करें।

शेखावाटी विकास परिषद में भागवत कथा

मुस्कराते हुए बिताएं हर पलों को: संत हरिशरण दास

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीमद् भागवत कथा समिति के बैनर तले विद्याधर नगर,सेक्टर-1 स्थित शेखावाटी विकास परिषद मे चल रही श्रीमद भागवत कथा मे व्यासपीठ से संत हरिशरण दास जी महाराज ने कहा कि श्रीमदभगवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार मनुष्य को कभी भी अपने विवेक, परिश्रम, बुद्धि और उद्यम पर संदेह नहीं करना चाहिए और सदैव सत्य और स्वधर्म के पक्ष में रहना चाहिए। जो मनुष्य अपने आप पर संदेह करता है और असत्य का साथ देता है। वह कभी भी जीवन में विजय नहीं होता। उन्होंने आगे कहा कि भागवत यह बताती है कि हम कैसे अपने जीवन को गीता के आधार पर जीयें। हम जीवन में व्यवहार कैसे करें तथा अनुकूल-प्रतिकूल परिस्थितियों में कैसे कार्य करें कि हम चिंता शोक तनाव भय व अन्य विकारों से निजात पा सकें। श्रीमद्भागवत हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। यह सिखाती है कि जीवन में चाहे कितनी ही मुसीबत आए, संकट आए हमें मुस्कुराते हुए हर पल बिताना चाहिए। जीवन में मित्रता से बड़ा कोई दूसरा धन नहीं है। इंसान हर रिश्ता रक्त के संबंध से निभाता है लेकिन मित्रता हृदय के संबंध से चलती है। जीवन में अच्छे मित्र का होना सबसे बड़ी दौलत है।भगवत गीता जीवन का मार्गदर्शन है। श्रीमद्भगवत गीता में जीवन का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। कुरूक्षेत्र में जब सारथी बनकर भगवन कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया तो उसे सुनकर अर्जुन को अपने सारे सवालों का जवाब मिल गया और उन्होंने हाथ जोड़कर श्रीकृष्ण से कहा कि प्रभु आपने तो जीवन का सार ही समझा दिया है। हर प्रकार की तृष्णाओं को मिटा दिया है। इस उपदेश को सुनकर ऐसा प्रतीत हो रही है कि आत्मा शुद्ध हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि गीता के उपदेशों में आत्मा की शुद्धि पर विशेष बल दिया गया है। गीता के उपदेश व्यक्ति को महान बनने के लिए प्रेरित करते हैं।श्रीमद्भगवदगीता में भगवान कृष्ण द्वारा दी गई सीखें आज के दौर में लोगों के लिए सक्सेस मंत्र से कम नहीं है. श्रीकृष्ण की बातें जितनी अर्जुन के लिए महत्वपूर्ण थी उतनी ही आज के इंसान के लिए हैं. अगर इन बातों को जीवन में अपना लिया जाए तो जीवन जीने की राह आसान हो जाएगी. इसके अलावा जिंदगी में आ रही बाधाओं का सामना करने में मदद करती हैं. ये भागवत हमसे हमारी पहचान कराती है। हमें जीवनयापन कैसे करना चाहिए यह सिखलाती है। उन्होंने कहा कि अगर व्यक्ति भगवान से मित्रता कर ले तो उसका संसार में आने के बाद मिलने वाले सभी दुखों से मुक्ति मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि मानव भौतिकवाद में इतना गुम हो गया है कि वह भगवान को याद करना ही भूल जाता है। कष्ट आने पर भगवान के दर पर माथा रगड़ता है, लेकिन कष्ट मिटते ही फिर से खो जाता है। उन्होंने कहा कि हमें मोक्ष की प्राप्ति के लिए अपने मन से अहंकार की भावना को मिटाना होगा। भगवान को प्राप्त करने का एक मात्र उपाय भक्ति है।

समसारा पब्लिक स्कूल शेखुखेड़ा के खिलाड़ियों ने खंड स्तरीय खेलों में किया शानदार प्रदर्शन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। समसारा पब्लिक स्कूल, शेखुखेड़ा ऐलनाबाद के खिलाड़ियों ने खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में वर्ग-11 और 14 में कुल 73 पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। हर वर्ष शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार द्वारा चार चरणों में खण्ड स्तर, ज़िला स्तर, राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर के सम्पन्न करवाए जाने वाले खेल प्रथम चरण खंड ऐलनाबाद में अण्डर-11 व 14 के खिलाड़ियों ने भी खेल मैदान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन 18 से 24 अगस्त तक किया गया जिसमें समसारा पब्लिक स्कूल शेखुखेड़ा के खेल कोच,पीटीआई व शिक्षकों के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने ऐथेलेटिक्स, फील्ड इवेंट, टीम इवेंट, इंडिविजुअल, कैरम, टग ऑफ वार (रस्सा कस्सी), खो - खो, फुटबॉल, बैडमिंटन में भाग लिया। जिसमें खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में भाग लेकर 73 मेडल जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया और जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता लगभग 28 खिलाड़ियों को प्रवेश मिला। विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय चैयरमैन जुगल किशोर, लाज मैमोरियल एजुकेशन ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारियों व स्कूल के सभी शिक्षकों ने कोच बलविंद्र सिंह व खिलाड़ियों का विशेष रुप से स्वागत किया तथा ज़िला व राज्य स्तर प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी।

लायन्स क्लब सेन्ट्रल की मीटिंग सम्पन्न

जोन चेयरमैन ने किया क्लब गतिविधियों का निरीक्षण

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल की मीटिंग जोन चेयरमेन के आतिथ्य में सम्पन्न हुई। आज क्लब के अवलोकन एवम मूल्यांकन करने के लिए लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ई 2 जोन 2 के चेयरमैन के.के. राठी ने भवानी मंडी से कोटा आकर ऑफिशियल विजिट की। क्लब अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने अपने स्वागत उद्बोधन में क्लब द्वारा रनिंग में किये जा रहे डिस्ट्रिक्ट प्राइम प्रोग्राम्स के बारे में जानकारी दी। सेक्रेटरी राधा खुवाल ने अब तक संपन्न गतिविधियों की डिटेल जानकारी दी। मुख्य अतिथि जोन चेयरमैन के.के. राठी ने अपने उद्बोधन मे क्लब के कार्यों की सराहना की और डिस्ट्रिक्ट के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी विशिष्ट अतिथि पीडीजी विशाल माहेश्वरी ने तन मन धन से निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करने की बात कही। लायन राजकुमार, रेखा कहालिया, चंदा बरवाडिया एवं ममता विजय का सक्रिय कार्यकर्ता के लिए सम्मान किया गया मीटिंग में 40 सदस्य उपस्थित रहे।

वेद ज्ञान

जीवन को दिशा देने के लिए सत्संग में नियमित सम्मिलित होना चाहिए

जीवन उत्सवमय तभी होता है, जब सभी को साथ लेकर चलें। एकाकीपन नीरसता लाता है। निष्ठुरता लाता है। संसार में विविधता है और इस विविधता में ही पार पाना है। समूह-भाव से ही जीवन-उत्सव बनता है। परिजन मिलकर रहें। सबको साथ लेकर चलना ही अभीष्ट है। पर्वों को तो विशेष उत्साह से मनाएं। सबके मंगल की कामना करें। पर्वों पर अड़ोस-पड़ोस और परिजनों का विशेष ध्यान रखें। कोई भूखा न रह जाए। केवल अपने लिए जीना या स्व उदरपूर्ति तक केंद्रित रहना अच्छी बात नहीं है। जीवन संस्कारमय तो तभी होगा, जब समग्रता के साथ गुणों का संवर्धन होगा। इसलिए आत्मचेतना का सामाजिक विस्तार निरंतर बना रहना चाहिए। जब ईश्वर ने हमें सेवा के योग्य बनाया है तो सेवा से संबंधित विविध कार्यों का विस्तार होना चाहिए। सेवा हमारे मन की पावन भावना है, जो हमें राग-द्वेष और भेदभाव से ऊपर उठाती है। सामूहिक भाव मन में प्रसन्नता लाता है। पर्व और मेले सामूहिक संस्कार को जगाते हैं, किंतु आज की भागमभाग जिंदगी में हम पर्वों का आनंद भी नहीं उठा पाते। सत्संग में नियमित सम्मिलित होना चाहिए। जीवन को दिशा देने के लिए, विषाद को दूर करने के लिए ये बहुत उपयोगी हैं। इनसे ईश्वरीय विचार पुष्ट होते हैं और मानव जीवन की महिमा पुष्ट होती है। इसलिए आवश्यकता यही है कि हम अपने सोचने का तरीका और दृष्टिकोण बदलें। आनंदमय जीवन की कल्पना तभी प्रत्यक्ष होगी, जब मन में सत्संकल्प और सद्विचार सुदृढ़ होंगे। आइए अपने आनंदमय स्वरूप का चिंतन करें, सर्वकल्याण की कामना करें और परमात्मा की प्रकृति का सदुपयोग करें। ईश्वर ने इतने उपहार दिए हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें। जब परमात्मा ने बिना किसी शुल्क के हमें इतने वरदान दिए हैं तो क्यों न हम भी प्राणिमात्र की सेवाओं को जीवन का अनिवार्य अंग बनाएं? पूर्ण आत्मविश्वास के साथ निडर होकर जीवन क्षेत्र में आगे बढ़ते रहें। हमारा जीवन अमरत्व की साधना है। मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ना ही जीवन का पर्व है। इस जीवन पर्व को उल्लास और आनंद के साथ पूर्णता दें।

संपादकीय

कारोबार के अनुकूल क्षेत्र तैयार करने की महत्त्वाकांक्षी पहल

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस सप्ताह मंजूर की गई सरकार की औद्योगिक पार्क नीति, विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) अधिनियम 2005 के बाद कारोबार के अनुकूल क्षेत्र तैयार करने की सबसे महत्त्वाकांक्षी पहल है। 28,600 करोड़ रुपये की लागत से 12 ऐसे एन्क्लेव विकसित करने की योजना है जिसे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने औद्योगिक पार्कों के 'स्वर्णिम चतुर्भुज' का नाम दिया है। याद रहे कि यह अटल

बिहारी वाजपेयी की सफल सड़क निर्माण परियोजना का नाम था। योजना के मुताबिक राज्य सरकारों और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर एकीकृत स्मार्ट औद्योगिक शहर बसाए जाने हैं जिनमें आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्र होंगे। इसके जरिए 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य है। राज्यों का योगदान जमीन के रूप में होगा और केंद्र सरकार इक्विटी या डेट मुहैया कराएगी। कुछ औद्योगिक टाउनशिप अन्य देशों के साथ मिलकर विकसित की जाएंगी जिन्होंने ऐसी व्यवस्था में अभिरुचि दिखाई है। इस विषय में सरकार की मंशा कहीं से गड़बड़ नहीं लग रही। बहरहाल एक सवाल यह है कि इसका क्रियान्वयन कैसे होगा? ऐसा इसलिए क्योंकि अतीत में औद्योगिक गतिविधियों को देश की कारोबारी सुगमता क्षेत्र की मानक अकुशलताओं से अलग-थलग रखने के प्रयासों को बहुत सीमित सफलता मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं देश में करीब 4,420 औद्योगिक पार्क और 270 एसईजेड हैं। इनमें से अधिकांश को निवेश बढ़ाने में कोई उल्लेखनीय कामयाबी नहीं मिली है। एसईजेड नीति में भी इसी प्रकार इलाके चिह्नित किए गए थे जहां कर राहत प्रदान करके चीन की शैली में निर्यात क्षेत्र विकसित किए गए। शुरूआती रुचि के बाद जब कर रियायत समाप्त हुई तो ये क्षेत्र अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे और इन्हें लेकर उत्साह समाप्त हो गया। देश के कुल निर्यात में एसईजेड की हिस्सेदारी केवल एक तिहाई रह गई। विनिर्माण में निवेश आकर्षित करने की सरकार की नीतिगत मंशा सफल नहीं हुई। एसईजेड में आए निवेश का करीब 60 फीसदी आईटी और आईटीईएस में आया। उसके बाद आया डेवलपमेंट ऑफ एंटरप्राइज ऐंड सर्विस हब्स (देश), विधेयक 2023। इसके माध्यम से एसईजेड कानून की कमियों को दूर करने का प्रयास किया गया। इस विधेयक की स्थिति अस्पष्ट है। खबरों के अनुसार तो शायद इसे खारिज भी कर दिया गया है। ताजातरीन नीति में देश में निवेश से जुड़ी शाश्वत बाधाओं को दूर करने का प्रयास दिखता है। उदाहरण के लिए भूमि अधिग्रहण हमेशा से एक चुनौती रहा है। यहां तक कि एसईजेड भी निजी क्षेत्र के अचल संपत्ति कारोबार में बदलकर रह गए। औद्योगिक पार्कों में वे जमीनें शामिल होंगी जो सरकार द्वारा पहले ही अधिग्रहीत हैं और जिनके लिए पर्यावरण मंजूरी मिल चुकी है। दूसरा, एकल खिड़की मंजूरी के लिए स्पेशल परपज व्हीकल बनाने का प्रस्ताव भी है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

रेवड़ी संस्कृति

लोकलुभावन वादों के साथ हिमाचल प्रदेश की सत्ता में आई कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दो माह तक वेतन न लेने की जो घोषणा की, उससे यह तो पता चल रहा है कि राज्य की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं, लेकिन यह समझना कठिन है कि आखिर उनके और साथ ही मंत्रियों के दो महीने तक वेतन न लेने से आर्थिक हालात कैसे सुधर जाएंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि उन्होंने यह नहीं कहा कि वह और उनके सहयोगी दो माह का अपना वेतन सदैव के लिए छोड़ रहे हैं। वैसे यदि वह ऐसा करते भी तो यह ऊंट के मुंह में जीरा भी नहीं होता। मुख्यमंत्री ने विधायकों से भी आग्रह किया है कि वे भी उनका अनुसरण करें। क्या इसके बाद वह सरकारी कर्मचारियों से भी ऐसी कोई अपील करने वाले हैं? जो भी हो, अच्छा यह होगा कि वह त्याग करने का संदेश देने के स्थान पर राज्य की आर्थिक स्थिति ठीक करने के लिए कुछ ठोस कदम उठाएं। ऐसा करते हुए उन्हें इस पर भी आत्ममंथन करना चाहिए कि राजनीतिक लाभ के लिए रेवड़ियां बांटने के चुनावी वादे करना कहां तक उचित था? कांग्रेस को कम से कम अब तो यह समझ आ ही जाना चाहिए कि आर्थिक नियमों और वित्तीय स्थिति की अनदेखी कर लोकलुभावन वादे करना तो आसान होता है, लेकिन उन्हें पूरा करना कठिन। यह किसी से छिपा नहीं कि हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार अपने कई चुनावी वादों को अब तक पूरा नहीं कर सकी है। उसके कुछ वादे ऐसे भी रहे, जो आधे-अधूरे ढंग से ही पूरे किए जा सके हैं। चुनावी वादों को खटाखट पूरा करने का आश्वासन देने वाले कांग्रेस के नीति-नियंताओं के साथ ही आम जनता को भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। उसे यह आभास होना चाहिए कि लोकलुभावन वादे करने वाले उसे केवल गुमराह ही नहीं करते, बल्कि उसके भविष्य

से खिलवाड़ भी करते हैं। यह आभास केवल हिमाचल प्रदेश ही नहीं, अन्य राज्यों की जनता को भी होना चाहिए, क्योंकि रेवड़ी संस्कृति अपनाने वाले राजनीतिक दल बढ़ते जा रहे हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि जैसे हिमाचल प्रदेश आर्थिक संकट से दो-चार है, वैसे ही कर्नाटक और कुछ अन्य राज्य भी। कुछ राजनीतिक दल तो ऐसे हैं, जो मुफ्तखोरी वाली योजनाओं का वादा करके सत्ता में आ जाते हैं और फिर उन्हें लागू करने के लिए केंद्र सरकार से अतिरिक्त धन की मांग करते हैं। जब केंद्र सरकार उनकी मांग पूरा करने के लिए तैयार नहीं होती तो वे उस पर खुद की अनदेखी करने का आरोप मढ़ते हैं। क्या यह किसी से छिपा है कि कुछ राज्यों ने किस तरह यह माहौल बनाया था कि आम बजट में गैर भाजपा शासित राज्यों की उपेक्षा की गई है? इसी तरह दक्षिण के राज्य यह आरोप लगा चुके हैं कि केंद्र सरकार उनके साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।

रिलायंस की ऑनलाइन एजीएम से कनेक्ट हुए रिकॉर्ड 5 .52 लाख लोग

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

अरबपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की ऑनलाइन वार्षिक आम बैठक में 5.52 लाख से अधिक शेयरधारकों व अन्य लोगों ने हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में एजीएम में शामिल होकर शेयरधारकों ने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। पिछला रिकॉर्ड 2023 में हुई एजीएम का था, जिसमें करीब 4.30 लाख लोगों ने हिस्सा लिया था। 2022 में यह संख्या 3.90 लाख रही थी। कोविड महामारी के समय से ही कंपनी वर्चुअल एजीएम करती आ रही है। लाखों की तादाद में शेयरधारक घर बैठे कंपनी की आमसभा में भाग ले सकें, इसके लिए कंपनी ने कई बड़े तकनीकी इंतजाम किए थे। वीडियो कॉलिंग ऐप 'जियोमीट' पर हुई कंपनी की एजीएम में मूक बधिरों के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई थी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रवक्ता ने कहा कि अधिक से अधिक शेयरधारकों का एजीएम में शामिल होना, कंपनी में शेयरधारकों के विश्वास को दिखाता है। 5.52 लाख से अधिक लोगों का जियोमीट पर जुड़ना एक बड़ी उपलब्धि है।

गम खाना ओर कर्मों का क्षय करना केवलज्ञान हो जाएगाः आचार्य सुंदरसागर महाराज

वाणी का रखे संयम,व्यर्थ की बातों में समय खराब न करें। शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन में गम खाने वाले के कषाय शांत हो जाएंगे ओर वह भगवान बन जाएगा। इसके बावजूद कोई गम नहीं खाना चाहता सब कषाय बढ़ाने में लगे रहते है। जब भी बोलो प्रिय बोलो पर पत्थर तोड़ने के लिए चोट जोर से मारनी पड़ेगी। अनादि काल से जीवात्मा के कषाय के संस्कार पड़े हुए है जो मुश्किल से छूटते है। जब भी कषाय बढ़े तो गम खाना सीखना होगा। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) वर्षायोग प्रवचन के तहत शुक्रवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कोई निंदा करे तो प्रतिकार नहीं करे ओर अपनी वाणी को संयमित रखे। गम खाने से ही गुणस्थान बढ़ते है। घर में आग लगने से पहले ही कुआं खोद लेना चाहिए। अरिहन्त उपदेश देते है सिद्ध भगवान बनने के लिए इसीलिए वह नवकार महामंत्र में पहले स्थान पर है। आचार्यश्री ने कहा कि गम खाना ओर कर्मो का क्षय करना केवल ज्ञान प्राप्त हो जाएगा। एक बार निग्रन्थ बन गए तो 12वां गुणस्थान पक्का हो जाएगा। मोह का विनाश होने पर केवली का पद मिल जाएगा। भगवान महावीर ने 12 वर्ष तक कठिन साधना की ओर ऐसा दिव्य ज्ञान प्राप्त किया जिससे सब पर्याय एक साथ दिखती थी। आप क्या थे, क्या कर रहे हो ओर आगे क्या करोंगे यह केवल ज्ञान से ही जाना जा सकता है। केवल ज्ञान पाने का मार्ग जिनवाणी ही बताती है। इससे पूर्व प्रवचन में आर्यिका सुकाव्यमति माताजी ने कहा कि संसार में प्रत्येक प्राणी शांति तो चाहता है लेकिन इतना कोलाहल संसार में है कि किसी को शांति नहीं मिलती।

पुण्यतिथि पर जोहरी बाजार वृद्धाश्रम में वृद्ध जनों को कराया भोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर शहर में 30 अगस्त को स्व. श्रीमती कंचन बाई जैन धर्मपत्नी स्व. श्री राजमल जी जैन की 36वीं पुण्यतिथि पर ज्ञानचन्द जैन अध्यक्ष मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट एवं समस्त परिवार द्वारा स्टेशन की ओर से दिगम्बर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग के तत्वावधान में श्री आदिनाथ स्वास्थ्य निधि आश्रम जोहरी बाजार में रहने वालों के लिये सुबह के भोजन की व्यवस्था की गयी। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा को जानकारी पर ज्ञात हुआ कि दिगंबर जैन महासमिति संभाग मानसरोवर के अध्यक्ष राजेंद्रकुमार शाह, महामंत्री सौभाग मल जैन, कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद जैन एवं समिति के लोकेश जैन द्वारा आश्रम में करीब 25 वृद्ध महानुभावों को सुबह का भोजन करवाया इस पुनीत कार्य के लिये जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति की अध्यक्षा डॉक्टर शीला जैन, महामंत्री पुष्पा सोगानी, सुधा जैन व समिति की कई सदस्याओं ने मिलकर आए हुए समिति के पदाधिकारियों का तिलक और माला से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महिला महासमिति जोहरी बाजार की अध्यक्षा डॉक्टर शीला जैन, मंत्री पुष्पा सोगानी ने संस्था के बारे में बताया कि संस्था में करीब जैन परिवार की 40 महिलाएं रोजगार प्राप्त कर रही है और संस्था द्वारा शुद्ध भोजन की व्यवस्था भोजनशाला में की जाती है इसके अलावा शुद्ध मसाला, आटा, बुरा भी गृह उद्योग जैन महिलाओं के द्वारा ही तैयार होकर विभिन्न मंदिरों में विक्रय काउंटर पर सामान बिक्री किया जाता है जिसकी प्रोत्साहन राशि से संस्था में काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन में सहयोग मिल जाता है, जोहरी बाजार में चल रहे वृद्ध आश्रम में 25 महिला पुरुष रह रहे हैं, उक्त भवन चार मंजिल का है जिसमें वातानुकुलित सभी सुविधाएं उपलब्ध है, समाज के सहयोग से ही यह संस्था चल रही है।

धर्म, अध्यात्म का उपयोग संसार भ्रमण कम करने के लिएः युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। आराधना, साधना आत्मा से जुड़ी हुई है। सामायिक, प्रवचन, प्रत्याख्यान, एक पौषध, प्रतिक्रमण और आराधना-साधना हमारे जीवन में परिवर्तन लाते है।शुक्रवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार मे श्रमणसंघीय युवाचार्य श्री महेन्द्र ऋषि जी महाराज ने आयोजित प्रवचन धर्मसभा मे धर्मोपदेश देते हुए कहा कि प्रतिक्रमण करते समय मिच्छामि दुक्कड़ं के भाव में रहना चाहिए। हम आराधना ज्यादा करें, कम करें, यह हमारी अपेक्षा है। यह रिलेटिव सिद्धांत से जुड़ा है। साधना ज्यादा- कम नहीं होती, साधना साधना होती है। साधना जीवन में आनंद देने वाली है। इससे कभी जी नहीं चुराना, इससे अपने आपको उदासीन नहीं बनाना। पुराने लोग कहते हैं अच्छे विचार आए, तो तुरंत कर डालो। उन्होंने कहा हम जितना संभव हो, उतनी आराधना करें। थोड़ी आराधना करें, लेकिन उससे शत- प्रतिशत हम अपने आपको शुद्ध व सुरक्षित कर सकते हैं। जो व्यक्ति प्राणातिपात, मृषावाद, अचौर्य आदि पापस्थानकों के साथ आगे बढ़ता है, वह भारीकर्मी होता है। वह संसार के प्रपंच ज्यादा बढ़ा लेता है। किसी भी पापस्थानक का सेवन करने से जन्म-मरण को, दुःखों को, संसार भ्रमण को दीर्घकालिन बना देता है। जो इन पापों में उलझा रहता है, वह विराधना के कार्य में संलिप्त हैं, चाहे वह हिंसा, चोरी हो या झूठ - कपट हो, वह अपना संसार भ्रमण, जन्म-मरण हनुमानजी की पूंछ की तरह लम्बा कर देता है, वह उसी में उलझे रहता है। यह बहुत लम्बे समयांतराल तक चलते रहना, एक तरह से अप्रशस्त है। उन्होंने कहा अप्रशस्त का अर्थ है जो स्वीकार्य नहीं है। हमारा जीवन इस प्रवाह में चलता है, तो इसका कोई अंत नहीं है। पापों को रोक दिया, तो निश्चित रूप से मर्यादित हो सकता है। यदि यह कम हो सकता है, तो विरमण यानी त्याग से हो सकता है। हमें चाहिए कि धर्म, अध्यात्म का उपयोग संसार भ्रमण को कम करने के लिए करें। उन्होंने कहा आप कहते हैं, साधु जीवन अपनाकर हमने संसार छोड़ दिया, लेकिन हम भी संसार में है। फर्क सिर्फ इतना है कि हम संसार भ्रमण को छोटा करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे संसार का आवागमन कम हो जाएगा। उन्होंने कहा पर्युषण पर्व के रूप में एक सुंदर अवसर आया है। एक छोटा-सा प्रत्याख्यान जीवन में आनंद देने वाला और हमारी मन की संकल्प शक्ति को मजबूती प्रदान करवाता है अगर व्यक्ति आत्म विश्वास और संकल्प शक्ति के साथ प्रत्याख्यान करता है तो वह अपने कर्मनिर्जरा कर पाएगा। धर्मसभा में महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान आदि क्षैत्रों के पधारें अनेक गुरु भक्तों की उपस्थिति रहीं।

सब कुछ छूट जाए पर धर्म नहीं छोड़ेंः आर्यिका श्री पवित्रवती माताजी

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाड़ा । परम पूज्य आर्यिकाश्री विज्ञान मति माताजी की शिष्या आर्यिका श्री पवित्रमति माताजी का संघ सहित मंगल चातुर्मास नौगामा नगर में हो रहा है आज प्रातः माताजी के सानिध्य में 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी में माताजी के सानिध्य में शांति धारा अभिषेक किया गया अभिषेक के पश्चात माताजी का चातुर्मास पंडाल स्थल पर मंगल प्रवचन हुआ प्रवचन से पूर्व जैन पाठशाला के छात्रों द्वारा मंगलाचरण किया गया मंगलाचरण के पश्चात माताजी द्वारा आलोचना पाठ एवं मंगलाष्टक का अध्ययन करवाया गया इस अवसर पर अपने प्रवचन में कहा कि चाहे कितनी भी विपत्ति आए लेकिन हमें धर्म को नहीं छोड़ता है जीवन में सब कुछ छूट जाए परंतु हमें धर्म को नहीं छोड़ता है धर्म ही एक ऐसा मार्ग है जो हमें पुनः सत मार्ग पर ले जाएगा इस अवसर पर माता जी ने कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं हमें उनसे घबराना नहीं है कभी-कभी हमें धर्म हमारी परीक्षा भी लेता है परंतु उसमें सहनशीलता से आगे बढ़ाना है अंतिम समय तक हमें धर्म के साथ मार्ग पर चलना है हमारा जब भी मरण हो समाधि मरण हो ऐसी भावना रखनी चाहिए उन्होंने कहा कि हमें अपने माता-पिता की सेवा अच्छी सी करनी चाहिए आजकल पश्चात युग का प्रभाव पड़ रहा है युवा वर्ग माता-पिता की सेवा करने में दूर हटते जा रहे हैं उनका आशीर्वाद ही जीवन में सत मार्ग प्रशस्त करेगा माताजी ने बताया कि आगामी 8 तारीख से हमारे जैन धर्म के प्ररवाधिराज पयुष महापर्व आ रहे हैं एवं इन 10 दिनों में नौगामा नगर में शावक संस्कार शिविर का आयोजन होगा सभी युवा वर्ग पुरुष वर्ग इसमें सम्मिलित होकर व्रत उपवास कर धर्म लाभ लेवे 8 वर्ष से 100 वर्ष के महिला पुरुष इस श्रावक संस्कार शिविर में भाग ले सकते हैं दिनांक 31 अगस्त रविवार को माता जी का विशेष मंगल प्रवचन बच्चों के जीवन में संस्कार पर मंगल प्रवचन होगा इस अवसर पर डडुका नगर से जैन पाठशाला के छात्र एवं अध्यापक माताजी के दर्शन करने एवं मंगल प्रवचन का लाभ लेने का आगमन होगा।

मिशन ग्रीन आई जी एन के तहत, गोपाल सेवा भाव समिति द्वारा सघन वृक्षारोपण अभियान

जयपुर. शाबाश इंडिया

वृक्षों से ही चलती हमारी स्वांस है, पेड़ो पर ही पंछियो का आसरा है। मिशन ग्रीन आई जी एन के तहत, गोपाल सेवा भाव समिति द्वारा चलाये जा रहे वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत नरेश शर्मा जी के कोचिंग संस्थान पर अशोक, अर्जुन के वृक्षों एवं नीबू,पपीते के पौधे लगाये गये , इस अवसर पर संस्थान के नन्हें छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में हिस्सा लिया एवं उन्हें वृक्षारोपण का महत्व बताया गया। इस अवसर पर अर्जुन, पपीते के औषधीय गुणों पर चर्चा की गई एवं आम की उन्नत किस्म के पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर डॉ अशोक दुबे, दीपेश अवस्थी,डॉ राजेश वर्मा, कपिल पचौरी, मनीष शर्मा,पुनीत जैन, दीपक करदिया,नवीन श्रीवास्तव, मातृ शक्ति की भी उपस्थित रही।

जैन संस्कृति में चित्रकला-मण्डल विधान

मण्डल विधान के माध्यम से विश्व शान्ति, विश्व प्रेम, विश्व संवेदना, विश्व हित की भावनाए होती है प्रवाहित

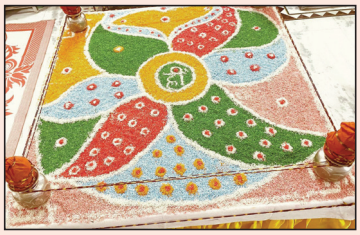

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन दर्शन में विशेष पूजा को मण्डल विधान कहते है। भाद्रपद माष में सभी जिन मंदिरों में कई तरह के विधान मंडल आयोजित किए जाकर धर्म प्रभावना के साथ धर्म लाभ लिया जाता है। मण्डल विधान में यथा योग्य फलक यानी पाटा पर धार्मिक चित्र कला को अर्थ पूर्वक माण्ड कर मण्डल के सामने प्रतिमा या यन्त्र विधि पूर्वक स्थापित किया जाता है । मण्डल के चारों और अष्ट द्रव्य तथा अष्ट प्रतिहार्य सजाये जाते है तथा जैन प्रतीक चिन्हों का उपयोग किया जाता है । मण्डल विधान अपने आप में एक ग्रंथ है इसे कई भागो में जाना जाता है।

१) जैन भूगोल संबंधी मण्डल जैसे तीन लोक विधान,
२) दर्शन संग्रह जैसे समयसार विधान,
३) चारित्र संग्रह जैसे सोलह कारण विधान,
४) भक्ति संग्रह जैसे पंचपरमेष्ठी विधान, एवम्
५) विविध जैसे शान्ति विधान आदि।

जैन संस्कृति में पहले मण्डल मोटे कपड़े पर सिलाई कशीदा से बनाये जाते थे साथ ही मण्डल पर विधान में वर्णित भावों को पिसे हुए चावल , मोरधान , रंगोली आदि विभिन्न प्रकार के रंगों से जीवन्त रूप दिया जाता था । चावल से बने मण्डल में दिखाए गए भाव नयनाभिराम लगते है लेकिन अब फ्लेक्स के मण्डल का चलन हो गया है। बड़े मण्डल आजकल फ्लेक्स के ही बनने लगे है। मण्डल पर प्रत्येक भाव के वलय बनाये जाते है जिन में भाव के अंग के अनुसार अर्घ्य समर्पित करने के स्थान निश्चित / चिन्हित होते है जिन पर भक्त जन अर्घ्य समर्पित करते है । अष्ट द्रव्य से बने अर्घ्य के साथ श्रीफल बादाम अखरोट आदि फल शामिल किए जाते है। मण्डल विधान के माध्यम से विश्व शान्ति, विश्व प्रेम ,विश्व संवेदना, विश्व हित आदि की भावनाओं को प्रवाहित किया जाता है ।

पदम जैन बिलाला
जनकपुरी , जयपुर

प्रधानपाठक थानू राम साहू को मिला महिला समानता काव्य रत्न सम्मान

लुंबिनी, नेपाल. शाबाश इंडिया

जिले के प्रसिद्ध लेखक तथा साहित्यकार का नेपाल में सम्मान किया गया है। नेपाल के लुंबिनी में आयोजित किए गए एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के लोरमी ब्लाक अंतर्गत ग्राम मोहतरा तेली के साहित्यकार व लेखक थानू राम साहू को सम्मानित किया गया है। वर्तमान में वे प्रधानपाठक के पद पर शासकीय प्राथमिक शाला माराडबरी, संकुल केन्द्र-फास्टरपुर में पदस्थ है। नेपाल की प्रसिद्ध संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल द्वारा भाषा तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रचनाकारों को एक ऑनलाइन प्रतियोगिता के माध्यम से आज सम्मानित किया गया है। महिला समानता दिवस के मौके पर शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल द्वारा आयोजित किए गए। महिला समानता काव्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया है। शिक्षक थानू राम साहू जिले के ख्याति प्राप्त लेखक हैं जिनकी सैकड़ों रचनाएं देश विदेश की विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी है तथा साहित्य के क्षेत्र मे उल्लेखनीय योगदान के लिए अब तक दर्जनों सम्मान मिल चुके हैं। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आनन्द गिरि मायालु कहते हैं कि थानू राम साहू की लेखनी में एक विशिष्ट क्षमता है, ऐसे लेखकों से ही असल समाज का निर्माण होता है जो विकास और सकारात्मक परिवर्तन के लिए लिखते हैं। ऐसे विशिष्ट रचनाकारों की पहचान कर राज्य की प्रोत्साहन राशि तथा सम्मान करने की आवश्कता है। आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में नेपाल, भारत, अमेरिका, कनाडा तथा तंजानिया से 178 महिला पुरुष रचनाकारों की सहभागिता थी जिसमें 60 प्रतिभाओं का उत्कृष्ट कविता के आधार पर चयन कर सम्मानित किया गया है।

आयोजक संस्था को धन्यवाद देते हुए लेखक व साहित्यकार थानू राम साहू ने कहा - संस्था वर्षो से कवियों, लेखकों तथा साहित्यकारों को विभिन्न तरह से प्रोत्साहित तथा सम्मानित करती आई है । हमारा सौभाग्य है कि इतनी बड़ी संस्था द्वारा हमारा चयन किया गया। ऐसे आयोजनों में हम सभी भाषा तथा साहित्य प्रेमियों को बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। संस्था की सचिव चरना कौर कहती हैं - संस्था द्वारा आगामी हिंदी दिवस पर हिंदी दिवस अंतरराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। हमारी संस्था विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालन करती आई है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

काबिल लोग न तो डरते हैं, ना किसी से दबते हैं, और ना किसी को दबाते हैं..! जवाब देना तो उन्हें भी खूब अच्छे से आता है, पर कीचड़ में पत्थर कौन मारे? यही सोचकर चुप रह जाते हैं। माना कि संसार कीचड़ है, लेकिन ध्यान रहे-कमल कीचड़ में ही खिलता है। राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर इसी कीचड़ में खिले। आचार्य कुन्दकुन्द, जिनसेन स्वामी भी इसी कीचड़ में खिले। लेकिन ये कीचड़ में कीड़े की तरह नहीं जीये बल्कि कीचड़ में कमल की तरह निर्लिप्त होकर जीये। भारतीय संस्कृति शुरू से इस बात पर पक्षधर रही है कि जो लोग अपनी ऊर्जा को ध्यान, समाधि, साधना में नहीं लगा सकते, ऊर्जा का ऊध्वारोहण नहीं कर सकते, तो वे लोग गृहस्थ जीवन में प्रवेश कर गृहस्थ धर्म का निर्वाह करे। काम में भी राम की तलाश जारी रखें। कीचड़ में कमल की साधना करें। कमल का कीचड़ में रहना और मनुष्य का संसार में रहना बुरा नहीं है। बुराई तो ये है कि कीचड़, कमल पर चढ़ आये और संसार हृदय में समा जाये। तुम कमल हो, तुम्हारा परिवार कमल की पंखुडियाँ है, तथा संसार कीचड़ है। कीचड़ में कमल की भांति जी सकें तो गृहस्थ जीवन भी किसी तपोवन से कम महत्वपूर्ण नहीं। **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ पर भक्तामर दीपार्चना का हुआ भव्य आयोजन

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरु मां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में अजीत चंवरिया निवाई वालों ने विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर 48 दीपकों से भक्तामर की आराधना करने का सौभाग्य प्राप्त किया। साथ ही चातुर्मास संयोजक बनने का सौभाग्य अजीत गोदिका जयपुर वालों ने प्राप्त किया। इसी के साथ आराधना के इस क्रम में निरंतर चल रही 1008 दिवसीय सहस्त्रनाम महार्चना में यात्रियों ने भक्ति करने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने प्रवचन के माध्यम से भक्तों को संबोधित करते हुए कहां की आशा से रहित की गई आराधना नियम से आराध्य पद को प्राप्त करती है। उच्च पद प्राप्ति हेतु उच्च विचार एवं उच्च आचरण की अत्यंत आवश्यकता है। इसके लिए सतत प्रयास करते रहना अनिवार्य है। क्षेत्र के विकास हेतु नव नवीन योजनाओं के माध्यम से यात्रीगणों को एवं भक्तों को धर्म से जुड़ने का नया आयाम मिल रहा है। इसी के साथ सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ ट्रस्ट एवं चातुर्मास समिति द्वारा क्षेत्र पर भोजन एवं आवास की समुचित व्यवस्था की गई है। अतिशयकारी क्षेत्र की वंदना करने का भाव बनाकर अपने जीवन में अतिशय पुण्य कमाए एवं अतिशयकारी शांतिनाथ भगवान के दर्शनों का लाभ प्राप्त करें।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com